आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–27 जून 2024 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु अपने सरकारी आवास पर यूपी–112 के दुसरका फेरा में उच्चीकृत पीआरवी के हरियर झण्डी देखा के रवाना कइलें। सथहीं उहां के वातानुकूलित हेलमेटो बटलीं। येह मौका पर श्री योगी कहलें कि ई कार्यक्रम स्मार्ट पुलिसिंग क सात बरिस क प्रक्रिया के नवका उचांई की ओर पहुंचवले क अभियान हौ। उहां के कहलीं कि कानून का राज सुसासन क पहिला सर्त हौ। एकरे बदे सुरक्षा अउर संरक्षा क बढ़िया वातावरण होखे के चाहीं। सुरक्षा क वातावरण राज्य का जिम्मेदारी हौ। हमार पुलिस एके बढ़िया से निबाहे ले। श्री योगी कहलें कि पछिला सात बरिस में यूपी पुलिस देस के भित्तर न त खाली अपना नया पहचान बनवलस हौ बलुक प्रदेसो के नया पहिचान दियवले में खास भूमिका निभवले हवे।

दुई हजार सत्रह में यूपी आबादी में देस क सबसे बड़हन राज्य अउर छठवां अर्थव्यवस्था रहल, जईसन–जईसन परदेस में कानून का राज स्थापित भईल त यूपी देस क दुसरका अर्थव्यवस्था बनि के उभरल अउर अब तेजी के साथे देस का बड़हन अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहल हौ।

उहां के कहलीं कि जो त समाज के जरूरत के धियान में रखत आधुनिकीकरण पर धियान नहीं दिहल जाई त पुलिस बल पिछड़ जाई। अईसन भइले से सबसे खतरनाक असर आम लोगिन के सुरक्षा पर पड़ी। जनता क विस्वास एक बेरि व्यवस्था से हटल त ओके बहाल कइले में ढेरि समय ले कोसिस करे के पड़ी। मुख्यमंत्री कहले कि प्रदेस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के नया युग में प्रवेस कइले हवे। यूपी ई उदाहरण दिहले हवे कि निवेस, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अउर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कइसन होखे क चाही। प्रदेस सरकार बिना कउनों भेद–भाव पारदरसी प्रक्रिया से पुलिस बल में पुलिस भरती कइलस त बढ़िया से प्रसिक्षणों करवलस। पुलिस बल के आधुनिकीकरण क कई गो कोसिस भइल हवे। पहिली बेरि यूपी पुलिस बल खातिर फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट क गठन कइल गइल हौ, जहवां पाठ्यक्रमो सुरू कइ दिहल गइल हौ। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के सथहीं कई गो अधिकारी मौजूद रहलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु आयोजित एगो उच्चस्तरीय बइठकी में प्रदेस में बनि रहल अउर नया एक्सप्रेस–वे परियोजनन आ औद्योगिक कॉरिडोर अउर डिफेंस कॉरिडोर के विकास के प्रगति क समीक्षा कइलें। उहां के कहलीं कि प्रधानमंत्री के मार्गदरसन में बीतल सात बरिस में उत्तर प्रदेस में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार भइल हौ। दुइ हजार सतरह ले खाली दुइ गो एक्सप्रेस–वे वाला येह प्रदेस में आजु छौ गो एक्सप्रेस–वे बाटें। राष्ट्रीय राजमार्गो सात बरिस पहिले क तुलना में करीब दुगुन्ना हो गइल हवें। आजु उत्तर प्रदेस के एक्सप्रेस–वे प्रदेस के रूप में नया पहिचान मिलि रहल हौ।

उहां के अधिकारियन के निरदेस दिहलीं कि मेरठ से प्रयागराज के जोड़े वाले गंगा एक्सप्रेस–वे के आवे वाला दिसम्बर महिन्ना ले आम लोगिन खातिर उपलब्ध करा दीहल जाव जवने से प्रयागराज कुंभ दुइ हजार पचीस में देस आ दुनिया क सरधालु लोगि गंगा एक्सप्रेस–वे पर जतरा क लाभ ले सकें। श्री योगी गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के निरमाण के प्रगति पर संतोस जतावत कहलें कि गोरखपुर, संतकबीरनगर अउर आजमगढ़ आ अम्बेडकरनगर जिला खातिर ई सानदार कनेक्टिविटी क जरिया बनीं।

उहां के कहलीं कि बुंदेलखण्ड क जीवनरेखा बनि चुकल बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस–वे के चित्रकूट से जोड़े बदे कार्यवाही तेज कइल जाव। एकरे खातिर बजटो दीहल जा चुकल हौ। ई एक्सप्रेस–वे बुंदेलखण्ड के कनेक्टिविटी के अउरियो बढ़ियां कइले में ढेरि सहायक होई। श्री योगी कहलें कि बढ़ियां कनेक्टिविटी बदे एक्सप्रेस–वे कवरेज के अउरियो बिस्तार दिहले क जरूरति हौ। जेवर में विश्वस्तर क एयरपोर्ट बनि रहल हौ, एके एक्सप्रेस–वे से जोड़ल जाये के चाही। एकरे बदे गंगा एक्सप्रेस–वे से जेवर एयरपोर्ट ले लिंक एक्सप्रेस–वे बनावल जाव। येही तरियन आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे ले लिंक एक्सप्रेस–वे अउर गंगा एक्सप्रेस–वे से आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे ले वाया फर्रूखाबाद एगो नया लिंक एक्सप्रेस–वे बनावल जाये के चाही। उहां के कहलीं कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस–वे के साथे–साथे ई तीनि गो नया एक्सप्रेस–वे प्रदेस के तरक्की के तेज करे वाला होई। येह सम्बन्ध में एगो बिस्तृत रिपोर्ट तइयार कइल जाव।

****

प्रदेस के परिषदीय स्कूल बिहने से खुलि जइहें। बेसिक शिक्षा विभाग स्कूलन क समय तय कइ दिहले हवे। स्कूल बिहने अउर ओन्तीस जून के भिन्नहीं साढ़े सात बजे से दस बजे ले खुलीं। एक जुलाई से स्कूलन के खोलले अउर बन्द भइले क समय भिन्नहीं आठ बजे से दुइ बजे ले रही।

****